



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्वल समाचार	20.7.22	5	5-8

हकृषि में नशीली दवाओं के विरोध में अभियान आज से

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव करेंगे उद्घाटन

हिसार, 19 जुलाई (विंदेश वर्मा) : हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहरवासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको धाकड़ यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, को शुरुआत की है जिसकी जिम्मेवारी



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संयोजकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन

करेंगे। बता दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

नशा के विरुद्ध दिलाई जाएगी शपथ और निकाली जाएगी जागरूकता रैली

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशा से दूर

रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशा के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साँझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कमेटीयों का गठन

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटीयां बनाई गई हैं जिन्हें भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटीयों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.7.22	4	2-5

एचएयू में धाकड़ अभियान आज से

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जाधव करेंगे नशे के खिलाफ अभियान का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहरवासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको धाकड़ यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह



एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम संयोजकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए। • एचएयू

नशे के विरुद्ध दिलाई जाएगी शपथ और निकाली जाएगी जागरूकता रैली

कुलपति ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विवि के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे व लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कमेटियों का गठन

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हें भिन्न-भिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक

श्रीकान्त जाधव मुख्यातिथि होंगे जो युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे।

बता दें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु

विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डा. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनिक भास्कर

दिनांक

20.7.22

पृष्ठ संख्या

2

कॉलम

3-4

एचएयू में नशीली दवाओं के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान आज

18 विभाग प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे



भास्कर न्यूज | हिंसार

हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानी हिम्मत वाला नाम दिया गया है,

जिसकी शुरुआत की जा चुकी है। अभियान की जिम्मेदारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे।

ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे, विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	20.7.22	2	7-8

NSS VOLUNTEERS FELICITATED

Hisar: The College of Agriculture at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University felicitated the volunteers of the National Service Scheme (NSS). The university Vice Chancellor, Professor BR Kamboj, presented the best volunteer of the year award to Yashpal, a third year student of BSc (agriculture) in the male category while Ruchika was awarded the best volunteer in the female category.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक भास्कर	20-7-22	4	4-5

• हरसैक के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले वीसी भू-सूचना विज्ञान में कैरिअर बनाने की अपार संभावनाएं



भास्कर न्यूज | हिस्सर

भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना कैरिअर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात वीसी एचएयू के वीसी प्रो. वीआर काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की तरफ से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छह सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न

महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कॉलोनीयों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलतापूर्वक कर रहा है। डॉ. अनूप कुमार ने प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि वैज्ञानिक रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प.जा.ब. मेसरी	20.7.22	4	4-5



संयोजकों की बैठक लेते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

नशीली दवा सेवन के विरुद्ध अभियान आज से

हिसार, 19 जुलाई (ब्यूरो): हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत

वाला नाम दिया गया है, की शुरुआत की है जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहाँ हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया

अतिरिक्त पुलिस
महानिदेशक श्रीकांत
जाधव करेंगे उद्घाटन

है वहाँ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	20.7.22	4	2-4

भू-सूचना में कॅरिअर की संभावनाएं : प्रो. कांबोज हरसेक की ओर से छह सप्ताह अवधि का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना कॅरिअर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही।

वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसेक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छह सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक



प्रो.बीआर कांबोज को स्मृति चिह्न भेंट करते हरसेक के समन्वयक डॉ. वीरेंद्र आर्य। संवाद

संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. कांबोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के

उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसेक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। इस मौके पर डॉ. अनूप कुमार, वैज्ञानिक रितेश कुमार आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजाला उजाला	20.7.22	4	5

एचएयू में नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ अभियान आज से

हिसार। प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहरवासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन 'धाकड़' की शुरुआत की है। इस दौरान युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों में रोजगार के लिए जागरूक किया जाएगा।

एचएयू में 20 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

हरि भूमि

दिनांक

20-7-22

पृष्ठ संख्या

10

कॉलम

2-4

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ► हिंसार

भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस



हिंसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को स्मृति चिन्ह देते हुए हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भूविज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

उजाला समाचार

दिनांक

20.7.22

पृष्ठ संख्या

5

कॉलम

3-6

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार, 19 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा) : भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसैट, रिसोसैट, रीसैट उपलब्ध



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए।

हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉन्चिंग विह्वल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग

प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. विरेन्द्र सिंह

आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिण और कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजाला समाचार	20.7.22	5	3-6

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार, 19 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा) : भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसैट, रिसोर्सैट, रीसैट उपलब्ध



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए।

हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉन्चिंग विह्वल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग

प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. विरेन्द्र सिंह

आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिण और कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.7.22	3	1-2

मू-सूचना तकनीक पर 6 सप्ताह की कार्यशाला

हिसार (निस) : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित मू-सूचना तकनीक पर 6 सप्ताह की प्रशिक्षण कार्यशाला हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) में करवाई जाएगी। इसके शुभारंभ अवसर पर कुलपति बी.आर. कम्बोज ने कहा कि मू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसमें राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के मूगोल, पर्यावरण विज्ञान, मू-विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। प्रो. कम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

चिरगा टाइम्स

दिनांक

19.07.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

नशे के खिलाफ एचएयू में 'धाकड़' कार्यक्रम कल

अतिरिक्त पुलिस
महानिदेशक श्री श्रीकांत
जाधव करेंगे उद्घाटन

चिरगा टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहरवासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरुआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों



को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे।

यता दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हे भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे

19.07.2022

हकूवि में नशीली दवाओं के सेवन के विरुद्ध अभियान कल से, एडीजीपी जाधव करेंगे उद्घाटन

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध दसकरी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलौना जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशा मुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'थोकड' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, को शुरुआत की है



जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना को शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देस का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है।

उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव मुख्यअतिथि होंगे जो उपयुक्त विषय पर

(सुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार जमा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

नशा के विरुद्ध दिलाई जाएगी रूपय और निस्कारी जाहगी जागरूकता रैली कुलपति ने बताया कि इस मौके पर

कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशा से दूर रहने की राय दीलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशा के खिलौना जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक दलदलों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कार्यक्रमों का गठन

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटीयां बनाई गई हैं जिनमें विभिन्न-विभिन्न जिम्मेवारियों सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटीयां के संयोजकों को बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयत्नों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	19.07.2022	-----	-----

| हिंसार: भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं: बीआर कम्बोज

19 Jul 2022 18:40:58



हिंसार, 19 जुलाई (हि.स.) हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज संगठन को हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू-सूचना तकनीक पर उह सप्ताह अर्थात् के बीचकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू-विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिजोसंसेट, रीसेट उपग्रह हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह जोड़ने हेतु लॉन्चिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, पबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलतापूर्वक कर रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनुप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी तथा और कर्मचारी मौजूद रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

संबंधित



19 Jul 2022

किसान आंदोलन में तल
पुस्तकें अभाव पराभर की ज
दुपयं जुतांग भी मिया कौरी



19 Jul 2022

हरियाणा के स्कूलों में वि
सूचना के अर्थों को भी
हिंदी संविधान के अर्थों



19 Jul 2022

हरियाणा के राज्यपाल व
यंतीय, 19 जुलाई (हि.स.)
उत्तरीय ने प्रदेशवासियों को



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	19.07.2022	-----	-----

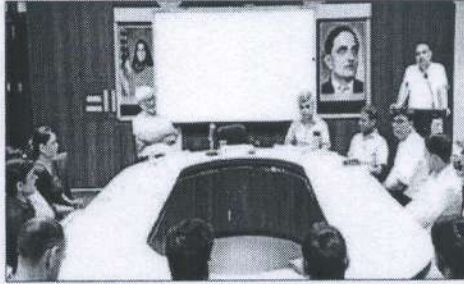
भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

पांच बजे स्पेशल

हिसार। भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फर्ही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसेक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के प्रोफेसरी प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे काटोसेट, रिसोसैट, रिसैट उपलब्ध हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉन्चिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संचेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संचेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छे रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं।



। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसेक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने हरसेक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसेक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कलोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य

उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संचेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारप्रक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसेक के वैज्ञानिक श्री तितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसेक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारियों और कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेम आयुर्वेद

चिदा, अफीम व शराब छोड़े

गुप्त रोगों का इलाज

तण्डुल चढ़ाए, सेहत बचाए

शीघ्रपूजन घात स्वच्छदोष कम थुकापू

सिविल अस्पताल हिंसार

के सामने

94165-30466, 98137-48688

www.premayurved.com



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	19.7.2022	--	--

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नशीली दवाओं के सेवन के विरुद्ध अभियान 20 जुलाई से

Jul 19, 2022 • aap party haryana, haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, IHL, JJP, ए सी सी पी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो श्रीकान्त जाधव, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिजाद, मुख्यमंत्री मनोहर लाल



Share via:



अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकान्त जाधव करेंगे उद्घाटन

हिजाद - 19 जुलाई - हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन की गति प्रदान करने हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जनसहकार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ उद्योग वास्तविकी को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जनसहकार किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।



कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से विप्लित हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल से हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जितावा 'क्याह' यानि हिंसत वाला नाम दिया गया है, की शुरुआत की है जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो अपनी-अपनी तरफ से नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करते वकाल जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों से इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकान्त जाधव मुख्यअतिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर दवा पीढ़ी का जनचेतन करेंगे। साथ ही कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लक्ष्मण राजपट्ट साथ चर्चा विविधता एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (मुंबई) के कुलपति डॉ. विनीत कुमार वर्मा इस अवसर पर विशेष अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्वेंट गार्ड सभागार में 11 बजे आरंभ होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जम शोर	19.07.2022	-----	-----

नशा मुक्त हरियाणा मिशन पर जागरूकता अभियान व रैली कल

हिसार/ 19 जुलाई/ रिपोर्टर

प्रदेश सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर इंदिरा गांधी सभागार में कल जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि देश व प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरुआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट



नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे, जबकि वह स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे और लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कुलपति ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के

खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को सांझा किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हें जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
मर्म-धार	19.07.2022	-----	-----

भू-सूचना में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार/ 19 जुलाई/ रिपोर्टर

भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के शुभारम्भ पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसैट, रिसोर्ससैट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लांचिंग व्हीकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में



सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी

इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने प्रशिक्षण को विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा टाइम्स	19.07.2022	-----	-----

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर की अपार संभावनाएं : वीसी

चिराग टाइम्स न्यूज़

हिसार। भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छ सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू



विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लांचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे

देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण,

कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिगण और कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

आज समाज

20.7.2022

--

--

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रवीन कुमार

हिसार। भू-सूचना एक अविद्यमान विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपग्रह केंद्र (हररीक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किंग्स ग्लोबल भू-सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के प्रौद्योगिकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर वाटर लुक्सलिवि बोले रहे थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के युवा, पर्यावरण विज्ञान, भू-विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने कहा अन्तर्गत तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसैट, रिसेप्टिबल, रिसेट उपलब्ध हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छेड? हेतु लॉन्चिंग विद्यार्थियों को। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तर्गत में आने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संचालन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए एवं कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को स्मृति चिन्ह देते हुए हररीक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य।



पर्यावरण के प्रबंधन में सम्बलतपूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संचालन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आग्रह किया कि वे इस तकनीक में गहन अभ्यसन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी लगनपूर्वक से ज्ञान प्राप्त करने का भी आग्रह किया।

हररीक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने हररीक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हररीक राज्य में प्राकृतिक

संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अरब कालोनीयों के मानचित्रण, राज शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरी के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि/पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सम्बलत पूर्णक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संचालन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रश्न पूछा जवाब हररीक के वैज्ञानिक श्री विशेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हररीक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारियों और कार्यवाही करने वाले